प्रकाशन तिथि : 15 मई, 2023
प्रेषण तिथि : 19 मई, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 05 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

विनाश का मार्ग है शिक्षा का व्यवसायीकरण: संरक्षक श्री

जहां हम बैठे हैं यह एक शिक्षण संस्थान है। शिक्षा का कार्य इतना सरल नहीं है। किसी काल में हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित गुरुकुल परंपरा होती थी, उसमें कोई परीक्षा भी नहीं होती थी। गुरु बच्चों को देखता था, पढ़ाता था और बच्चे गुरु के आचरण से सीखते थे, शब्दों से नहीं। आज परिस्थिति बदल गई है। आज आचरण से कोई मतलब नहीं है, चरित्र और संस्कारों से कोई मतलब नहीं है, इस बात से भी कोई मतलब नहीं है कि शिक्षा ग्रहण करने वाला व्यक्ति बड़े-बड़े पदों पर तो जा सकता है, लेकिन उसे अच्छा इंसान बनाने की कोई प्रक्रिया नहीं है। आज के शिक्षण संस्थान अधिक से अधिक बच्चों को अपने यहां लाना चाहते हैं लेकिन जो शिक्षा की गुणवत्ता के स्थान पर शिक्षार्थियों की संख्या पर ध्यान देगा, वह व्यापारी बन जाएगा और जब शिक्षा व्यापार बन जाती है, स्वार्थ को पूरा करने का साधन बन जाती है तब वह विनाश के मार्ग पर ले जाती है। जैसे द्रोणाचार्य ने स्वार्थ के कारण शिक्षा का कार्य चुना तो उसका परिणाम विनाशकारी हुआ। इस प्रकार का भाव किसी भी शिक्षक का नहीं होना चाहिए। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

सचिन पायलट पहुंचे आलोक आश्रम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम पहुंचे एवं माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने संरक्षक श्री से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं विभिन्न राजनीतिक-सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान राजस्थान सरकार में मंत्री मुरारी लाल मीणा, परिवहन मंत्री बृजेंद्र सिंह ओला, एससी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, विधायक वीरेंद्र सिंह, विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, युवा नेता आजाद सिंह राठौड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि उनके साथ रहे।

हमारी धारणाओं तक सीमित नहीं है श्री क्षत्रिय युवक संघ

(माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में गांधीनगर में स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न)

प्रत्येक व्यक्ति अपनी सोच के अनुसार हर वस्तु का आकलन करता है, उसी प्रकार से हम लोग श्री क्षत्रिय युवक संघ का भी आकलन अपनी धारणाओं के अनुसार ही करते हैं। राजनीति में रुचि रखने वाला संघ को राजनीतिक दृष्टि से देखता है तो कोई यहां के खेल देखकर इसे बच्चों का खेल समझ लेता है। कोई इसे विशुद्ध सामाजिक संगठन मानता है तो कोई इसे अध्यात्म के मार्ग के रूप में देखता है। जो व्यक्ति जिस धारणा के साथ श्री क्षत्रिय युवक संघ को देखता है उसे वैसा ही समझ लेता है लेकिन संघ केवल हमारी धारणाओं तक ही सीमित नहीं है। वास्तव में यह चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति कराने वाला सर्वांगीण मार्ग है। संघ को बातों से नहीं समझाया जा सकता, केवल अनुभव से ही समझा जा सकता है। इसीलिए आपको बार-बार कहा जाता है कि आप श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़िए और श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़ने का मतलब केवल इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से जुड़ना नहीं बल्कि शाखा व शिविर के माध्यम से जुड़ेंगे तभी हम संघ को वास्तव में जान पाएंगे। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 30 अप्रैल को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें हमारी तंद्रा से जगाने का प्रयास कर रहा है। संघ हममें उन संस्कारों का निर्माण कर रहा है जिनसे हम दूर हो गए हैं, उस क्षत्रियत्व को हमारे अंदर लाने का प्रयास कर रहा है जिस क्षत्रियत्व का इतिहास सुनकर हम अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं। हम हमारे पूर्वजों की वीरता का बखान करके, उनके बारे में पढ़ कर गर्व महसूस करते हैं, अहंकार से ग्रसित होते हैं लेकिन क्या हमने यह सोचा है कि क्या हमने उस गौरव की कीमत चुकाई है? जो कीमत चुकाए बिना कोई वस्तु लेना चाहता है, वह चोर होता है। संघ आपको उलाहना नहीं दे रहा, लेकिन आपको झकझोर कर यह बताने का प्रयास कर रहा है कि जिसको हम उन्नति मान रहे हैं, वह वास्तव में अवनति का मार्ग है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

उत्साह से मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

सिलवासा

डीडवाना

जोधपुर

स्वतंत्रता और स्वाभिमान के अमर प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती आंग्ल पंचांग के अनुसार 9 मई को देशभर में विभिन्न स्थानों पर उत्साह पूर्वक मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा भी पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न स्थानों पर महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं ने अपने प्रेरणास्रोत को स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। करौली के मण्डरायल में महाराणा प्रताप की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने महाराणा प्रताप की वीरता और मातृभूमि के लिए किए गए त्याग को अनुकरणीय बताकर उनसे प्रेरणा लेने और राष्ट्र हित में जीवन जीने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना हम सभी का कर्तव्य है, इसलिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दौसा प्रांत प्रमुख नानू सिंह रूखासर ने महाराणा प्रताप का जीवन-वृत्त बताते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने की बात कही। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। नागौर के न्यामा गांव में वीर दुगार्दास राठौड़ शाखा द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत महाराणा प्रताप जयंती का आयोजन किया गया। प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे महापुरुषों का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक होता है और हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन का आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। जयसिंह सागु ने पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम के बारे में बताया तथा संघ के आनुषंगिक संगठनों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में डालसिंह एवं मानमहेन्द्र सिंह न्यामा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में खारिया कनीराम, राजियासर मीठा आदि गांवों के भी समाजबंधु उपस्थित रहे। डीडवाना में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष में केसरिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली शहर के सैनिक कल्याण बोर्ड से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए राजपूत सभा भवन तक पहुंची जहां पुष्पांजलि का कार्यक्रम रखा गया। रैली में भरत सिंह कुड़ली, लोकेंद्र सिंह थाणू, डूंगरसिंह सिंघाना, जितेंद्र सिंह सांवराद, श्यामप्रताप सिंह रूवां, राजेन्द्र सिंह धौलिया, अजीत सिंह पावटा, धर्मपाल सिंह बरड़वा, कमलसिंह खरेश, मनमोहन सिंह सिंघाना सहित सर्वसमाज के युवा सम्मिलित हुए। लाडनूं के श्री रघु राठौड़ी बाग में भी महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह ओडिंट, करणी सिंह लाडनूं, राजेन्द्र सिंह धोलिया, मोहन सिंह जोधा, अरविंद सिंह खानपुर सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लाडनूं प्रांत के सुजानगढ़ मंडल के बामणिया ग्राम में भी महाराणा प्रताप जयंती समारोह का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक बजरंग सिंह बामणिया ने महाराणा प्रताप के त्याग और संघर्ष के बारे में बताया, साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की भी जानकारी उपस्थित समाजबंधुओं को दी। पूज्य तनसिंह जी की जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त महाराणा प्रताप जन्म जयंती समारोह जोधपुर में डिगाड़ी स्थित सरकारी विद्यालय के मैदान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत प्रमुख भरत पाल सिंह दासपा ने महाराणा प्रताप के पदचिह्नों पर चलने का संदेश दिया। नारायण सिंह तंवरा ने समाज में एकता की आवश्यकता जताते हुए संगठन में शक्ति होने की बात कही। भोपाल सिंह टेपू ने कभी हिम्मत नही हारने का संदेश दिया। समुंदर सिंह आचीना ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। राजपूत सभा भवन शेरगढ़ में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ महाराणा प्रताप की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी समाज बंधुओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही निमार्णाधीन वीर शिरोमणि देवराज राठौड़ महाविद्यालय के परिसर में राव देवराज जी की अश्वारुढ प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। जोधपुर शहर प्रांत के हनुवंत राजपूत छात्रावास में भी प्रताप जयंती का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक महेंद्र सिंह गुजरावास सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। भोपालगढ़ बिलाड़ा प्रांत के साथिन गाँव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख चैन सिंह साथिन सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बीकानेर के रोड़ा नोखा में भी जयंती मनाई गई। कार्यक्रम से पूर्व वाहन रैली भी निकाली गई। कोलायत में इंदिरा गाँधी नहर की RD 820 पर जयंती कार्यक्रम हुआ एवं तत्पश्चात वहाँ से अंगनेऊ तक वाहन रैली निकाली गई। राजपूत धर्मशाला श्री कोलायत में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। श्री करणी राजपूत छात्रावास नोखा में भी महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई जिसमें स्थानीय विधायक बिहारीलाल विश्नोई ने नोखा में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। 10 मई को छात्रावास में सभा भवन का भूमि पूजन भी किया गया जिसमें पूर्व संसदीय सचिव कन्हैया लाल झंवर, नगरपालिका अध्यक्ष नारायण झंवर एवं स्थानीय समाजबंधु मौजूद रहे। इस अवसर पर नोखा नगरपालिका अध्यक्ष ने हर वर्ष बजट में संस्था को सहयोग देने की घोषणा भी की। बालोतरा प्रांत के बुड़ीवाड़ा में भी समारोह पूर्वक प्रताप जयंती मनाई गई। प्रांत प्रमुख चंदन सिंह थोब ने महाराणा प्रताप से प्रेरणा लेकर सदैव संघर्षरत रहते हुए क्षात्रधर्म का पालन करने की बात कही। मोहन सिंह बुड़ीवाड़ा ने बताया कि महाराणा प्रताप जैसे अनेक महापुरुषों ने हमारे लिए जो आदर्श प्रस्तुत किए हैं उनका अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम में स्वरूपसिंह, राणसिंह, गणपतसिंह, सांगसिंह, गुलाबसिंह, देवीसिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। टापरा में स्थित श्री नागणेची मंदिर में भी जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वीर दुगार्दास राठौड़ शाखा कुंडल में भी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। सिवाणा प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह सिणेर ने कहा कि याद उसी को किया जाता है जिन्होंने राष्ट्र, संस्कृति और धर्म के लिए अपने आप को समर्पित किया हो। महाराणा प्रताप को भी हम इसीलिए याद कर रहे हैं। उनमें एक सच्चे क्षत्रिय के सभी गुण थे, जिसके कारण वो आज हमारे लिए प्रातः स्मरणीय है। जान सिंह की ढाणी (राजमथाई), जैसलमेर में भी शाखा स्तर पर महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई। महाराणा प्रताप की जयंती पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं छात्रों द्वारा उनके साहस, शौर्य और संघर्ष को स्मरण किया गया। दिल्ली के मुकुंदपुर गांव में महाराणा प्रताप युवा संगठन (पंजीकृत) दिल्ली प्रदेश के द्वारा जयंती मनाई गई। संगठन के महासचिव मोहित सिसोदिया ने साथियों के साथ मिलकर महाराणा प्रताप को स्मरण किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ की झाला मानसिंह शाखा, नक्षत्र गार्डन, सिलवासा में भी महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई। शाखा में सभी स्वयंसेवकों ने प्रताप के संघर्ष और वीरता को नमन करते हुए उनके जीवन मूल्यों को अभ्यास द्वारा स्वयं के जीवन व्यवहार में उतारने पर चर्चा की। पुणे (महाराष्ट्र) में भी जयंती मनाई गई। नागौर के मकराना में माताभर रोड पर महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष में रात्रिकालीन सभा का आयोजन हुआ। सभा को संबोधित करते हुए कर्नल केसरी सिंह ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के साथ हकीम खां सूर उनके सेनापति के रूप में लड़े। यह सिद्ध करता है कि उस समय भी न्याय की लड़ाई में धर्म और जाति आड़े नहीं आए। इससे प्रेरणा लेते हुए हमें भी आपस में मिलकर रहना चाहिए और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

बीकानेर जिले के मोतीगढ़ में प्रताप युवा संगठन मोतीगढ़ के तत्वावधान में समारोह पूर्वक जयंती मनाई गई जिसमें सैकड़ों क्षेत्रवासी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के चारित्रिक गुणों व जीवन मूल्यों, कला संस्कृति, स्थापत्य, चित्र शैली आदि में उनका योगदान, उनका सुशासन, सामाजिक समरसता के कार्यों आदि पर प्रकाश डाला। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

लाडनूं

बुड़िवाड़ा

मंडरायल

नई दिल्ली

ईडब्ल्यूएस आरक्षण को 14 प्रतिशत करने एवं विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर 225 जगह दिए ज्ञापन

कोटा

भीलवाड़ा

जालोर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रदेश भर में EWS आरक्षण में विद्यमान विसंगतियों के सम्बंध में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने की मुहिम प्रारम्भ की गई । इसके तहत 1 से 12 मई तक चले इस अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में कुल 225 स्थानों पर ज्ञापन दिए गए।

आर्थिक रूप से पिछड़े अनारक्षित वर्गों को आरक्षण देने हेतु प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए उसमें विद्यमान विसंगतियों को दूर करने का निवेदन किया गया। केंद्र में आर्थिक पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की पात्रता हेतु आय के साथ संपत्ति की शर्तों को भी शामिल किया गया है। चूंकि भारत विविधताओं का देश है अतः सम्पूर्ण भारत की भूमि एक सी उर्वरक व उत्पादक नहीं है, साथ ही संपत्ति की कीमतों में भी भारी अंतर है। गुजरात, राजस्थान सहित अन्य राज्यों ने राज्य की परिस्थितियों अनुसार संपत्ति की शर्तों को हटाकर मात्र आठ लाख वार्षिक आय को ही मापदंड माना है। अतः पूरे देश मे एक नियम की बजाय राज्यो द्वारा तय नियमों से बने प्रमाण पत्र को केंद्र में भी मान्यता देने की मांग की गई जिससे प्रार्थी को अलग अलग प्रमाण न बनाने पड़ें व शर्तें भी स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल हो जायें। इस मांग की पुष्टि के लिए पिछले वित्त वर्ष में केंद्र व राज्य में बने EWS के प्रमाणपत्रों के आंकड़े संलग्न किये गए जिससे ज्ञात होता है राजस्थान में कि राज्य व केंद्र में बने प्रमाणपत्रों का अनुपात 70:30 है। साथ ही केंद्र में अधिकतम आयु सीमा, न्यूनतम अहर्ताक,फीस आदि में अन्य वर्गों को मिले आरक्षण की तरह छूट दी जाए। साथ ही प्रमाणपत्र की वैधता एक वर्ष की अपेक्षा तीन वर्ष की जाए, कतिपय राज्य सरकारों ने ऐसा प्रावधान किया है, अतः केंद्र में भी ये लागू हो जिससे आर्थिक रूप से कमजोर को इस आरक्षण का पूरा लाभ मिल सके। इसी के साथ ही इसमें आय की इकाई परिवार को माना गया है और परिवार में माता पिता, पति, पत्नी, अविवाहित भाई, बहिन सबकी आय सम्मिलित है इससे प्रक्रियागत परेशानी होती है व आय की गणना की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। विवाहित महिला के लिए यह और अधिक कठिन हो जाता है क्योंकि उसके ससुराल व पीहर दोनों पक्षों की आय को मानने का प्रावधान है जिससे दोनों स्थानों के प्रशासनिक कार्यालय में चक्कर लगाने पड़ते हैं। अतः आय की गणना अन्य क्रिमीलेयर आरक्षण की तरह केवल माता पिता की आय से की जाए। साथ ही इस वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, छात्रवृत्ति आदि की सुविधा की जाए व राष्ट्रीय आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया जाए जिससे इस वर्ग के हितों का न्यायपूर्ण संरक्षण हो सके।

इसके अलावा मुख्यमंत्री से ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की गई कि राजस्थान विधानसभा में 16 जुलाई 2008 व 23 सितंबर 2015 को सर्वसम्मति से अनारक्षित वर्ग को 14% आरक्षण देने का विधेयक पारित किया गया था जबकि वर्तमान में आरक्षण 10% ही दिया गया है अतः संविधान के अनुच्छेद 15(6) व 16(6) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा इसे 14% किया जाए। साथ ही यह आरक्षण केवल सरकारी नौकरी व शिक्षा में ही दिया गया जबकि अन्य सभी आरक्षण पंचायती राज व अन्य स्थानीय स्वायत्तशासी संस्थाओं के चुनावो में भी लागू है। अनारक्षित वर्ग के आर्थिक पिछड़ा वर्ग का स्थानीय राजनीति में प्रतिनिधित्व निरन्तर घटता जा रहा है अतः मुख्यमंत्री जी से राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 102 व राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 337 में प्रदत अधिकारों का उपयोग करते हुए पंचायती राज संस्थाओं,नगर निकायों व अन्य सभी स्वायत्तशासी संस्थाओं में लागू कर अनुग्रहित करने का निवेदन किया गया ताकि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को स्थानीय राजनीति में समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सके।

अजमेर

जयपुर

प्रशासन को ज्ञापन सौंपने के इस अभियान के तहत 1 मई को जयपुर, बाड़मेर, जालोर, श्रीगंगानगर एवं सिरोही जिला मुख्यालय पर तथा सीकर ग्रामीण, बनेड़ा (भीलवाड़ा), निवाई (टोंक), मांडल (भीलवाड़ा), केकड़ी (अजमेर), कोटपुतली (जयपुर), रायपुर (पाली), सावर (अजमेर), सरवाड़ (अजमेर), धोरिमन्ना (बाड़मेर) एवं फलसूंड (जैसलमेर) उपखंड मुख्यालय पर ज्ञापन दिए गए। 2 मई को बाँसवाड़ा जिला मुख्यालय पर तथा शिव (बाड़मेर), टोडारायसिंह (टोंक), आहोर (जालोर), शिवगंज (सिरोही), रोहट (पाली), सांगानेर (जयपुर), बालोतरा (बाड़मेर), भिनाय (अजमेर), धोद (सीकर), रानी (पाली), नीमकाथाना (सीकर), गनोड़ा (बाँसवाड़ा), मेड़ता (नागौर), बेगूं (चित्तौड़गढ़), आसींद (भीलवाड़ा), शाहपुरा (भीलवाड़ा), जहाजपुर (भीलवाड़ा) एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) उपखंड मुख्यालय पर ज्ञापन दिए गए। 3 मई को सवाईमाधोपुर, पाली व प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय पर, बाली (पाली), डीडवाना (नागौर) व खींवसर (नागौर) एडीएम ऑफिस में, पिंडवाड़ा (सिरोही), जायल (नागौर), चोहटन (बाड़मेर), पुष्कर (अजमेर), लक्ष्मणगढ़ (सीकर), लाडनूं (नागौर), सीमलवाड़ा (डूँगरपुर), बदनोर (भीलवाड़ा), मांडलगढ़ (भीलवाड़ा), बिजोलिया (भीलवाड़ा), श्रीमाधोपुर (सीकर), आमेर (जयपुर), रावतभाटा (चित्तौड़गढ़), गढ़ी (बाँसवाड़ा), अराई (अजमेर), मकराना (नागौर), तारानगर (चूरू), सायला (जालोर), नावां (नागौर) उपखंड मुख्यालय पर तथा कुराबड (उदयपुर), गढ़बोर (राजसमंद), दोवड़ा (डूँगरपुर), गच्छीपुरा (नागौर), कल्याणपुर (बाड़मेर), देलवाड़ा (राजसमंद), विजयनगर (अजमेर) व चाकसू (जयपुर) तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपे गए। 4 मई को महंगाई राहत शिविर ओबरी, डूँगरपुर में ज्ञापन दिया गया। इसी दिन धौलपुर, उदयपुर व अजमेर जिला मुख्यालय पर, पीपाड़ शहर (जोधपुर), फतेहगढ़ (जैसलमेर), खंडेला (सीकर), कपासन (चित्तौड़गढ़), निंबाहेड़ा (चित्तौड़गढ़), ओसियां (जोधपुर), सेडवा (बाड़मेर), पावटा (जयपुर), दांतारामगढ़ (सीकर), नोखा (बीकानेर), लूणकरणसर (बीकानेर), सुवाणा (भीलवाड़ा), बीदासर (चूरू), भीनमाल (जालोर), सुमेरपुर (पाली), झाडोल (उदयपुर), गिर्वा (उदयपुर), घाटोल (बाँसवाड़ा), नसीराबाद, जसवंतपुरा (जालोर), गुड़ामालानी (बाड़मेर), पोकरण (जैसलमेर), कठूमर (अलवर), दूदू (जयपुर), कोटड़ी (भीलवाड़ा), गुलाबपुरा (भीलवाड़ा), फतेहपुर (सीकर), लक्ष्मणगढ़ (अलवर), लुणी (जोधपुर), मारवाड़ जंक्शन (पाली), आसपुर (डूँगरपुर) व गोगुंदा (उदयपुर) उपखंड मुख्यालय पर तथा तिंवरी (जोधपुर), समदड़ी (बाड़मेर), डेह (नागौर), निंबी जोधा (नागौर), देलदर (सिरोही) व झोंथरी (डूँगरपुर) तहसील मुख्यालय पर ज्ञापन दिए गए। 5 मई को श्री उमाकान्त शर्मा, विशेष योग्यजन मंत्री को महंगाई राहत शिविर, साबला, डूँगरपुर में ज्ञापन सौंपा गया।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

डीडवाना (नागौर)

सुमेरपुर (पाली)

बाड़मेर

संपादकीय

क्षत्रियत्व के अभाव में पक्षाघात की शिकार व्यवस्था

किसी राज्य अथवा राष्ट्र की शासन व्यवस्था कोई भी हो - चाहे लोकतंत्र हो, गणतंत्र हो, राजतंत्र हो या अन्य कोई व्यवस्था हो, उस व्यवस्था और उसका संचालन करने वाले व्यक्तियों में दृढ़ता का गुण होना अनिवार्य है। यह दृढ़ता साहस से पैदा होती है और भय इस दृढ़ता को कमजोर करने वाला तत्व है। दृढ़ता के बिना कोई भी व्यवस्था उसी तरह पंगु हो जाती है जिस प्रकार रीढ़ की हड्डी के बिना मनुष्य पंगु हो जाता है। आज हम भारत की वर्तमान व्यवस्था को इस आलोक में देखें तो पाएंगे कि भारतीय व्यवस्था और उसके धारकों में यह दृढ़ता समाप्त प्रायः हो चुकी है। इसी कारण आज प्रत्येक समूह चाहे वह जातिगत हो, वर्गगत हो अथवा पंथगत हो, इस व्यवस्था को भयभीत कर अपनी अनुचित मांगों को मनवाने में भी सफल हो जाता है। शांतिपूर्ण ढंग से, संवैधानिक माध्यमों से और व्यवस्था के नियमों के अनुरूप व्यवहार करते हुए अपनी बात रखने वाले समूहों की उचित मांगों के प्रति भी उपेक्षित रवैया अपनाने वाली यह व्यवस्था उन लोगों के सामने तुरंत घुटने टेक देती है जो इसे अनुचित साधनों के प्रयोग की धमकी देकर भयभीत करते हैं और उनकी अनुचित मांगों को भी मानने को तैयार हो जाती है।

वर्तमान में खिलाड़ियों के नाम पर कुछ राजनीतिक और जातिवादी तत्वों द्वारा व्यवस्था पर ऐसा ही दबाव बनाकर कानून, जांच, न्यायिक प्रक्रिया आदि को दरकिनार कर अपना फैसला थोपने का प्रयास किया जा रहा है। सड़क पर उतरकर फैसला करने और उसे जबरदस्ती मनवाने की यह प्रवृत्ति इसीलिए बढ़ती जा रही है क्योंकि यह व्यवस्था और इस व्यवस्था के भयभीत संचालक बार-बार ऐसे दबाव के आगे घुटने टेक देते हैं। ऐसा किसी दल विशेष के लिए ही नहीं है बल्कि राज्य या देश की सत्ता में आने वाले सभी राजनैतिक दल यही व्यवहार करते हैं चाहे वे अपनी तथाकथित राष्ट्रवादी और कट्टर छवि गढ़कर सत्ता पाने वाले दल हों या छद्म उदारता और लोककल्याण की बातें करने वाले समझौतावादी दल हों। ये सभी भयभीत होकर ही व्यवस्था का संचालन करते हैं और इस भय का कारण है इनका येन-केन-प्रकारेण प्राप्त किया हुआ अस्थाई जनाधार। विभिन्न समाजों और समुदायों को एक दूसरे के विरुद्ध खड़ा करके अपने जनाधार का निर्माण करने वाले ये राजनेता और राजनीतिक दल भली-भांति जानते हैं कि उन्होंने यह जनाधार सामान्य जनसमुदाय के हृदय में स्थान बनाकर नहीं बल्कि झूठे वादों और झूठी छवियों के आधार पर प्राप्त किया है इसलिए इस जनाधार के छिटकने का भय सदैव उनके मन में बना ही रहता है। इसी भय का लाभ विभिन्न स्वार्थी और अराजक समूह उठाते हैं और अपनी मांगों और निर्णयों को मनवाने में सफल हो जाते हैं चाहे वे निर्णय देश और समाज को नुकसान पहुंचाने वाले ही क्यों ना हो। चाहे उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण कानून में सुधार के लिए दिए गए निर्णय को पलटने का कार्य हो या अपराध को अपराध की दृष्टि से देख कर उचित कानूनी प्रक्रिया के पालन की अपेक्षा भीड़ के दबाव में आकर जातीय विद्वेष को भड़काने वालों को खुली छूट देना हो या वोट के लालच में पंथ और धर्म के नाम पर देशविरोधी व अलगाववादी तत्वों के प्रति कठोर कदम उठाने से बचने की कायरता हो, हर बार व्यवस्था भयभीत होकर घुटने टेकती ही नजर आती है। यद्यपि कभी-कभी वास्तव में कठोर निर्णय करने और उन पर दृढ़ता पूर्वक डटे रहने वाले व्यक्तित्व भी उभरते हैं और उनकी इस दृढ़ता का प्रभाव व्यवस्था पर भी दिखाई देता है। यह प्रभाव तब स्पष्ट दिखता है जब अपराधियों में इतना भय व्याप्त हो जाए कि वे अपना राज्य छोड़कर दूसरे राज्यों में शरण लेने लगे और जहां किसी भी प्रकार की अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रयास सफल नहीं हो पाते क्योंकि व्यवस्था उनके सामने झुकने के बजाय उन्हें नियमानुसार चलने पर विवश कर देती है। ऐसे व्यक्तियों की राजनीतिक विचारधारा या समाज और राष्ट्र के लिए उनकी परिकल्पनाओं या उनके उद्देश्यों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है लेकिन उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ता निश्चित रूप से प्रशंसनीय होती है। यद्यपि ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम ही दिखाई देते हैं और व्यवस्था का अधिकांश भाग इसके धारकों में दृढ़ता के अभाव के कारण पक्षाघात का शिकार ही बना हुआ रहता है।

व्यवस्था की इस अवस्था के कारणों की गहराई में हम जाएं तो पाएंगे कि इसका वास्तविक कारण व्यवस्था के धारकों और संचालकों में क्षत्रियत्व के गुणों का अभाव है। शासन मूलतः क्षत्रिय का कर्म है। क्षत्रिय के गुणों से हीन व्यक्ति द्वारा कभी भी सुचारू रूप से शासन नहीं चलाया जा सकता। इसीलिए हमारी संस्कृति में तो यहां तक कहा गया है कि सभ्य व्यक्ति को उस स्थान पर रहना ही नहीं चाहिए जहां क्षत्रिय का शासन ना हो। यह बात वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी पूर्ण रूप से सिद्ध होती हुई दिखाई देती है क्योंकि आज क्षत्रियत्व विहीन व्यक्तियों द्वारा व्यवस्था के संचालन के परिणाम स्वरूप समाज और राष्ट्र में ऐसा वातावरण बन चुका है जहां एक सभ्य व्यक्ति का गरिमापूर्ण ढंग से रहना भी अत्यंत कठिन हो गया है जबकि दूसरी ओर उद्दंड और असभ्य व्यवहार बेरोकटोक प्रसारित हो रहा है। यह स्थिति तभी ठीक हो सकती है जब व्यवस्था के संचालन का दायित्व क्षत्रिय के स्वाभाविक गुणों - शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्षशीलता, त्याग और ईश्वरीय भाव आदि से युक्त व्यक्तियों द्वारा संभाला जाए। ऐसे व्यक्तियों द्वारा संचालित व्यवस्था स्वतः ही सुदृढ़ और लोककल्याणकारी बन जाएगी। इसलिए सर्वप्रथम आवश्यकता ऐसे लोग तैयार करने की है जिनमें उपरोक्त गुण हों अर्थात जो सच्चे अर्थों में क्षत्रिय हों। इसलिए जहां आज हर कोई सत्ताप्राप्ति या व्यवस्था का नियंत्रण हाथ में लेने के लिए प्रयत्न कर रहा है, वहीं श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षत्रियत्व का शिक्षण देने के कार्य में जुटा हुआ है ताकि व्यवस्था को हाथ में लेने से पहले उस व्यवस्था का दायित्व संभालने योग्य हाथों को तैयार किया जा सके। ऐसा होने पर ही पुनः उस समाज का निर्माण हो सकेगा जहां व्यक्ति की गरिमा सुरक्षित रह सकेगी। यह कार्य कष्टसाध्य और दीर्घकालीन अवश्य है लेकिन देश और समाज का भविष्य इसी पर निर्भर करता है, इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ अन्य सभी कार्यों पर इस कार्य को प्राथमिकता देता है।

चितौड़गढ़ के जालमपुरा और रोड जी का खेड़ा में कार्यक्रम संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में विशेष साप्ताहिक शाखा का आयोजन 30 अप्रैल को चितौड़गढ़ जिले की डूंगला तहसील के जालमपुरा गांव में देवी सिंह सारंगदेवोत के फार्म हाउस परिसर में किया गया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय एवं वर्तमान समय में संघ की आवश्यकता के बारे में बताया। बैठक में 8 मई को रावतपुरा में होने वाले रक्तदान शिविर व मेडिकल कैंप एवं 18 जून को झाला मन्ना के बलिदान दिवस के संबंध में चर्चा कर कार्ययोजना बनाई गई। कार्यक्रम को पूर्व प्रधान गणपत सिंह चुंडावतो का खेड़ा, हनुमंत सिंह बोहेड़ा, जीवन सिंह गोड़ों का खेड़ा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में संघ साहित्य एवं जन्म शताब्दी वर्ष की पताका का वितरण किया गया। पथप्रेरक, संघशक्ति के सदस्य बनाने के साथ ही यथार्थ गीता पुस्तक उपस्थित जनों को भेंट की गई। कार्यक्रम में अनेकों स्वयंसेवक एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। चितौड़गढ़ जिले में

ही 7 मई को साप्ताहिक विशेष शाखा का आयोजन रोड़ जी का खेड़ा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया एवं अपनी भावी पीढ़ी को संस्कारित करने, क्षात्र इतिहास से परिचित कराने के लिए संघ के शिविरों में भेजने के लिए उपस्थित समाज बंधुओं से निवेदन किया। नारायण सिंह राजावत संगरिया एवं जीवन सिंह गोड़ों का खेड़ा ने रावतपुरा में आयोजित होने वाले निःशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर के बारे में जानकारी दी। जोगेंद्रसिंह छोटाखेड़ा ने श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण की विसंगतियों में संशोधन हेतु चलाए जा रहे अभियान के संबंध में जानकारी दी। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

श्री राजपूत समाज आसारवा द्वारा अट्ठारहवां समूह लग्न कार्यक्रम संपन्न

श्री राजपूत समाज आसारवा के तत्वावधान में अट्ठारहवां समूह लग्न कार्यक्रम 7 मई को अहमदाबाद के कैंटोनमेंट हॉल मैदान में आयोजित हुआ जिसमें 10 नवदंपत्ति विवाह बंधन में बंधे। इसका आयोजन संस्थान के प्रवीण सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग की ओर से भोजन व्यवस्था में सहयोग किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी एवं जगत सिंह वलासना सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मेवाड़ का गुहिल वंश

महाराणा कुंभा के बाद उदयसिंह (उदा) मेवाड़ का शासक बना, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने अपने पिता कुम्भा की राज्यलोभ में हत्या की। पितृहत्या उदा के इस कुकृत्य के कारण मेवाड़ के अधिकांश सरदार उसके विरुद्ध थे और उन्होंने कुम्भा के छोटे पुत्र रायमल को जो उस समय अपने ससुराल ईडर में था, शासक बनने के लिए आमंत्रित किया। रायमल और उदा के मध्य जावर, दाडिमपुर, जानी, पानगढ़ की लड़ाइयां हुई जिनमें रायमल को विजय प्राप्त हुई और रायमल जी ने चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया। उदा अपने पुत्रों के साथ मांडू के सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी के पास गया और उसके सैन्य सहयोग से चित्तौड़ वापिस हासिल करने की योजना बनाने लगा, उसी दौरान एक दिन आकाशीय बिजली गिरने से वह काल को प्राप्त हुआ। इसके उपरान्त सुल्तान ने उदा के दोनों पुत्रों सहसमल व सूरजमल को विशाल सेना का सहयोग कर चित्तौड़ पर भेजा। महाराणा ने युद्ध में विजय प्राप्त की और सुल्तान के सैन्य गर्व को चूर कर दिया। पराजित सुल्तान ग्यासुद्दीन मांडू लौट गया परन्तु पराजय से अपमानित सुल्तान ने पुनः युद्ध की तैयारी कर अपने सेनापति जफर खां को एक विशाल सेना के साथ मेवाड़ पर भेजा। जफर खां मेवाड़ के पूर्वी हिस्से में लूट-खसोट करने लगा, जिसकी सूचना पाते ही महाराणा रायमल अपने पुत्रों कुंवर पृथ्वीराज, जयमल, संग्रामसिंह, पतारायसिंह तथा कांधल चुंडावत (चुंडा के पुत्र), सारंगदेव अज्जावत, कल्याणमल खींची आदि वीर सरदारों के साथ मांडल गढ़ की ओर बढ़े, वहां जाफर खां के साथ भयंकर युद्ध हुआ। मालवा की सेना को भारी नुकसान हुआ और पराजय का सामना करना पड़ा, जाफर खां पराजित होकर युद्ध क्षेत्र से भाग कर मालवा की ओर लौट गया। महाराणा रायमल मालवा की ओर बढ़े और खैराबाद की लड़ाई में यवन सेना को तलवार से मौत के घाट उतार कर मालवा वालों से दण्ड वसूल किया और यश प्राप्त किया। चित्तौड़ का शासक महाराणा रायमल के बाद कौन होगा इसको लेकर ज्योतिषी के कथन और भमता गांव में देवी के मंदिर की चारण पुजारिन के कथन से रुष्ट होकर पृथ्वीराज और जयमल, संग्रामसिंह के विरुद्ध हो गए और उन पर प्राण घातक हमला कर दिया। जहां सारंगदेव ने संग्रामसिंह (सांगा) के प्राणों की रक्षा की। महाराणा रायमल को जब यह पता चला तो उन्होंने पृथ्वीराज को कहला भेजा की राज्यलोभ में मेरी विद्यमानता में तूने भाइयों के प्रति क्लेश बढ़ाया, मुझे मुंह मत दिखलाना। लज्जित होकर पृथ्वीराज कुम्भलगढ़ में रहने लगा। वहीं परिवार में वैमनस्य और अधिक ना बढ़े ऐसा विचार कर संग्रामसिंह (सांगा) कुछ समय तक अज्ञातवास में ही रहे। **(क्रमशः)**

गोपालसर (शेरगढ़) में स्नेहमिलन का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेरगढ़ प्रांत के बालेसर मंडल के सहयोगियों का स्नेहमिलन 7 मई को गोपालसर स्थित जुंझार गोपाल जी दादो जी के स्थान पर आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख भैरू सिंह बेलवा ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त प्रांत में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की। चर्चा के दौरान उपखंड स्तरीय बड़ा कार्यक्रम इंदा प्रतिहारों के आदि व मूल पुरुष राणा इन्द्र राव प्रतिहार जी की जयंती के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में राणोसा प्रताप सिंह, सवाई सिंह खारी बेरी, अमर सिंह बालेसर सत्ता, चंद्रवीर सिंह भालू, हरि सिंह ढेलाना, सुमेर सिंह, भंवर सिंह, गुलाब सिंह एवं अर्जुन सिंह जिनजिनयाला, गायड़ सिंह, अमर सिंह, मनोहर सिंह, दौलत सिंह गोपालसर, स्वरूप सिंह सरपंच प्रतिनिधि रावल गढ़, कैप्टन भीख सिंह, गजे सिंह, गुलाब सिंह बस्तवा सुंडा, भोम सिंह एवं हेम सिंह डेरिया, चैन सिंह, हमीर सिंह, देवी सिंह, खुमाण सिंह बेलवा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

हर्षपाल सिंह नांगल प्रथम प्रयास में बने लेफ्टिनेंट

झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी में स्थित ग्राम नांगल के निवासी 21 वर्षीय हर्षपाल सिंह शेखावत ने प्रथम प्रयास में ही संयुक्त रक्षा सेवा (सी.डी.एस.) परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने बैच में सबसे कम उम्र में लेफ्टिनेंट बनने का गौरव प्राप्त किया है। हर्षपाल सिंह राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य एवं श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल के पौत्र तथा होटल व्यवसायी भरतपाल सिंह के पुत्र हैं। उन्होंने 12वीं कला वर्ग (सी.बी.एस.ई.) की परीक्षा वर्ष 2020 में मेयो कॉलेज, अजमेर से 97.3 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की थी।

कुचामन प्रांत के आनंदपुरा और बुडसु में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 07 मई को नागौर संभाग के कुचामन प्रांत के आनंदपुरा गांव स्थित श्री केसरिया कंवर जी मंदिर में स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में हुआ। कुचामन प्रांतप्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा ने उपस्थित समाजबंधुओं को पूज्य तनसिंह जी का जीवन परिचय, संघ की कार्यप्रणाली तथा दिल्ली में होने वाले शताब्दी समारोह के बारे में जानकारी दी, साथ ही संघ के आनुषंगिक संगठनों के उद्देश्य तथा कार्यों के बारे में भी बताया। करण सिंह आनंदपुरा ने संघ कार्य का महत्व बताया तथा पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती पर सभी से दिल्ली चलने का आह्वान किया। 7 मई को ही जगमालोता की ढाणी, बुडसु में भी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने संघ कार्य में पारिवारिक भाव का महत्व बताया और कहा कि जिस प्रकार हम अपने पारिवारिक दायित्वों को प्राथमिकता देते हैं, उसी प्रकार से समाज के प्रति अपने दायित्व को भी हमें प्राथमिकता देनी होगी। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इसका अभ्यास करवाता है। उन्होंने पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली पहुंचने हेतु सभी को आमंत्रित किया। प्रांत प्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

नशा मुक्त आयोजन का अनुकरणीय उदाहरण

शेरगढ़ क्षेत्र के गड़ा गांव में खम्मा कंवर धर्मपत्नी स्व. चैन सिंह के पुत्रों कैप्टन जब्बरसिंह व मालम सिंह ने तीन अन्य भाइयों के साथ मिलकर नशा मुक्त आयोजन का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। उन्होंने संत भैरजी नशा मुक्ति मिशन में लिए संकल्प के अनुरूप अपनी माता जी की जीवित गंगाप्रसादी का नशामुक्त आयोजन किया। उन्होंने इस निमित्त चार सामाजिक संस्थाओं - राजपूत शिक्षा कोष, गोगादेव हितकारिणी सभा, देवराज हितकारिणी सभा एवं श्री राजपूत विकास समिति शेरगढ़ को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। इंदावटी के राणोसा प्रताप सिंह ने उन्हें इस अनुकरणीय पहल के लिए स्मृति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान महंत शिवगिरी, प्रेमाराम, महाबलगिरी, गायत्री परिवार के राम सिंह सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नाथू सिंह खिरजा ने किया। उल्लेखनीय है कि संत श्री भैरजी नशा मुक्ति मिशन के अंतर्गत 31 जुलाई 2016 को ईन्दावटी के बस्तवा सुंडा गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में एक रैली का आयोजन हुआ था जिसमें 35 ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोगों ने नशामुक्ति संकल्प पत्र भरे थे। उसी क्रम में 13 अगस्त 2016 को 17 गांवों ने नशाबंदी का संकल्प लिया। संत भैरजी का जन्म विक्रम संवत 1973 में ईन्दावटी बस्तवा में किरप सिंह ईन्दा के घर पर हुआ था। भक्ति एवं साधना के साथ-साथ उन्होंने क्षेत्र में अनेक बावड़ी, तालाब और कुएं खुदवाए तथा प्याऊ एवं धर्मशालाएं बनवाई। उन्हीं की स्मृति में संत भैरजी नशा मुक्ति मिशन की स्थापना क्षेत्र के समाजबंधुओं ने मिलकर की।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	मा.प्र.शि. (मातृशक्ति)	23.05.2023 से 29.05.2023 तक	**भवानी निकेतन,** जयपुर। **नोटः-** पूर्व में न्यूनतम दो शिविर किए हुए हों। दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 50 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री एवं संघ की गणवेश साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना में यथासंभव परंपरागत केशरिया (लहंगा ओढणी या साड़ी) गणवेश लेकर आयें। विवाहित महिलाएं वे ही शामिल हो सकेंगी जिनको आमंत्रित किया जाएगा। बालिकाओं के साथ आने वाले व वापस लेकर जाने वाले स्वयंसेवकों को भी पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा एवं उनकी भी गणवेश आवश्यक है।
02.	**दम्पति (शिविर)**	08.06.2023 से 11.06.2023 तक	**आलोक आश्रम, बाड़मेर।** 1. दम्पति में से किसी एक के श्री क्ष.यु.सं. का शिविर किया हुआ हो। 2. महिला व पुरुष दोनों के लिए गणवेश आवश्यक है। 3. शिविर फीस 100/- (प्रति व्यक्ति) रुपए व भोजन शुल्क 150/- रुपए (प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन) शिविर में देय है। 4. 8 जून को सुबह 8.00 बजे तक पहुंचें। 5. आने वाले 10 मई तक शिविर कार्यालय को सूचित करें।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

(पृष्ठ तीन का शेष)

ईडब्ल्यूएस आरक्षण... 5 मई को ही बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, सीकर, राजसमंद, चुरू, डूँगरपुर व भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर तथा रूपनगढ़ (अजमेर), रूपवास (भरतपुर), गलियाकोट (डूँगरपुर), सलुम्बर (उदयपुर), रानीवाड़ा (जालोर), राशमी (चित्तौड़गढ़), देवली (टोंक), बागोड़ा (जालोर), गंगापुर (भीलवाड़ा), चिखली (डूँगरपुर), जैतारण (पाली), विराटनगर (जयपुर), वल्लभनगर (उदयपुर), ब्यावर (अजमेर), राजगढ़ (चूरू), कुचामन (नागौर), रियांबड़ी (नागौर), चित्तावा (नागौर), रेवदर (सिरोही), नाथद्वारा (राजसमंद), मालपुरा (टोंक), भूपालसागर (चित्तौड़गढ़), जमवारामगढ़ (जयपुर), बिलाड़ा (जोधपुर), पीलीबंगा (हनुमानगढ़), चिड़ावा (झुंझुनूं), देवगढ़ (राजसमंद), सेमारी (उदयपुर), बड़गाँव (उदयपुर), मूण्डवा (नागौर) पीसांगन (अजमेर), सिन्धरी (बाड़मेर), देसूरी (पाली), सोजत (पाली), उनियारा (टोंक), परबतसर (नागौर), साबला (डूँगरपुर) व भदेसर (चित्तौड़गढ़) उपखंड मुख्यालय पर तथा भाद्राजून (जालोर), छोटीखाटू (नागौर), मौलासर (नागौर), भीण्डर (उदयपुर) एवं बस्सी (चितौड़गढ़) में तहसीलदार कार्यालय में ज्ञापन दिए गए। 6 व 8 मई को कुंभलगढ़ (राजसमंद), आबूरोड (सिरोही), लोहावट (जोधपुर), कोटडा (उदयपुर), सिवाना (बाड़मेर), रायपुर (भीलवाड़ा), पूगल (बीकानेर), भीम (राजसमंद), रामसर (बाड़मेर), छतरगढ़ (बीकानेर), भनियाणा (जैसलमेर), श्री डूंगरगढ़ (बीकानेर), रतनगढ़ (चूरू), बिछीवाड़ा (डूंगरपुर), गंगरार (चित्तौड़गढ़), चौमू (जयपुर), फागी (जयपुर), सुजानगढ़ (चूरू), किशनगढ़ (अजमेर) उपखंड मुख्यालय पर ज्ञापन दिए गए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त उपनिवेशन नाचना, जैसलमेर को भी ज्ञापन दिया गया। गडरारोड़ (बाड़मेर), बागीदौरा (बाँसवाड़ा), कुँवारिया (राजसमंद), खमनोर (राजसमंद), बायतु (बाड़मेर), धनाउ (बाड़मेर) व मोहनगढ़ (जैसलमेर) में तहसील कार्यालय पर ज्ञापन दिए गए। 9 मई को झालावाड़ जिला मुख्यालय पर तथा देचू (जोधपुर), कोलायत (बीकानेर), डूंगला (चित्तौड़गढ़), शेरगढ़ (जोधपुर), बाप (जोधपुर) उपखंड मुख्यालय पर तथा सेखाला (जोधपुर) लसाडिया (उदयपुर), देचू (जोधपुर) शेरगढ़ (जोधपुर), रामगढ़ (जैसलमेर) व नाचना 2 (जैसलमेर) तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपे गए। 10 व 11 मई को जिला मुख्यालय कोटा, जिला मुख्यालय जोधपुर, उपखंड मुख्यालय डेगाना (नागौर), धरनोद (प्रतापगढ़), शरदारशहर (चुरू), तहसील मुख्यालय कानोड़ (उदयपुर), फलासिया (उदयपुर), बापिणी (जोधपुर) व चामू (जोधपुर) में ज्ञापन दिए गए। 12 मई को बालेसर, बावड़ी, बज्जू आदि स्थानों पर ज्ञापन दिए गए।

उदयपुर

रियाबाड़ी (नागौर)

डेगाना (नागौर)

रावतपुरा में नि:शुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन एवं जी.बी.एच. जनरल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में प्रताप जयंती एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में नि:शुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन चितौड़गढ़ के रावतपुरा में स्थित रा.उ.मा.वि. के परिसर में 8 मई को किया गया, जिसमें क्षेत्र के निवासियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान में भाग लिया, साथ ही अपने स्वास्थ्य की जांच भी करवाई। गणपत सिंह चुंडावत (पूर्व प्रधान), जीवन सिंह गोड़ों का खेड़ा, रणजीत सिंह (उप प्रधान डूंगला), नरेंद्र सिंह भूरकिया, भवानी सिंह चौहान, चेतन सिंह भाटी एवं नारायण सिंह राजावत (सचिव सांवलिया सेवा संस्थान उदयपुर) ने व्यवस्था में

सहयोग किया। शिविर में कुल 151 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक, पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर, बड़ीसादड़ी विधायक ललित ओस्तवाल, हनुमंत सिंह बोहेड़ा द्वारा रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, महाराणा प्रताप की तस्वीर एवं यथार्थ गीता भेंट की गई। नवल सिंह जालमपुरा, रमेश पुरोहित, डूंगला प्रधान हीरालाल रावत, रावतपुरा सरपंच ठाकुरसिंह रावत, देवी सिंह जालमपुरा, नरेंद्र सिंह तलाऊ, देवी सिंह खेताखेड़ा, दशरथ सिंह गोड़ों का खेड़ा, प्रह्लाद सिंह रोड जी का खेड़ा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित रहे।

लाडनूं में स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत में हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 अप्रैल को लाडनूं में साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय कुल में सनातन काल से ही महापुरुषों के अवतरण की सतत परंपरा रही है। ये महापुरुष हमेशा समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं और उनका अनुसरण कर लोगों को जीवन व्यवहार का मार्ग मिलता है। ऐसे ही महापुरुष के रूप में पूज्य तनसिंह जी भी हमारे बीच आये, जिन्होंने अपने जीवन व्यवहार से जीवन के हर क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किए चाहे वो व्यापार हो, राजनीति हो, कृषि हो, कुटुंब पालन हो, लेखन हो या समाज व राष्ट्र की आवश्यकता पूरी करने का अन्य कोई अवसर हो। उन्होंने अपने कार्य से न केवल हमारे लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया, अपितु सम्पूर्ण भारत और प्राणीमात्र के लिए हितकारी एक सुन्दर समाज का निर्माण करने का सूत्रपात किया। उसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ वर्ष भर सम्पूर्ण भारत में जगह-जगह पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम - यथा शाखा, शिविर, स्नेहमिलन आदि आयोजित करते हुए पूज्य तनसिंह जी के संदेश को घर-घर तक पहुंचा रहा है। कार्यक्रम में करणी सिंह लाडनूं, राजेंद्र सिंह धौलिया, गजेन्द्र सिंह ओडिंट, श्याम प्रताप सिंह रुआं, जितेन्द्र सिंह सांवराद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संघ के नागौर संभागप्रमुख शिम्भू सिंह आसरवा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम का समापन करवाया। कार्यक्रम का संचालन लाडनूं प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने किया।

जोधपुर संभाग में विभिन्न प्रांतों की बैठकें संपन्न

जोधपुर संभाग के विभिन्न प्रांतों की कार्ययोजना बैठकें 30 अप्रैल को आयोजित हुई जिनमें आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों एवं पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त होने वाली गतिविधियों के संबंध में चर्चा हुई। जोधपुर शहर प्रांत में डिगाड़ी, जय भवानी नगर में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें शहर प्रांत प्रमुख भरतपाल सिंह दासपां सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। शेरगढ़ प्रांत के देचु और शेरगढ़ में दो बैठकों का आयोजन हुआ जिनमें संभागप्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक सहयोगियों

सहित उपस्थित रहे। भोपालगढ़ बिलाड़ा प्रांत की बैठक साथिन में प्रांत प्रमुख चैन सिंह साथिन की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठकों के दौरान स्थानीय समाजबंधुओं से भी संघकार्य को लेकर चर्चा की गई।

(पृष्ठ एक का शेष)

विनाश का...

उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर ने 10 मई को बाड़मेर जिले के सिवाणा शहर में पादरड़ी रोड स्थित श्री गुरुमंछ विद्यामन्दिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम विद्यालयों में मां शारदा की आराधना करते हैं। जिसकी हम आराधना करते हैं उसकी दी हुई शिक्षा को यदि अपने जीवन में नहीं उतारते हैं तो वह आराधना पाखंड बन जाती है और इसीलिए विद्यालयों में पाखंड फैल गया है। विद्यालयों में जब पाखंड फैल जाता है तो पूरे देश में भी पाखंड फैल जाता है। इसलिए सबसे पहली आवश्यकता है हमारे देश की शिक्षा नीति को सुधारने की। अभी तो जिनके हम गुलाम थे उन लोगों की ही शिक्षा नीति देश में चल रही है। हमने कभी विचार नहीं किया कि हमारी भी कोई प्रणाली थी और इसीलिए हम दुख-क्लेश में फंसे पड़े हैं। पूरे संसार की यही स्थिति है और इस संसार के दुखों को दूर करने का काम भारत का है, भारतवासियों का है क्योंकि भारत ही पूरे विश्व का गुरु रहा है। संरक्षक श्री ने प्रेम का महत्त्व बताते हुए कहा कि परमेश्वर हम सबके हृदय में विराजमान है। इतना निकट होते हुए भी वह हमें दिखाई नहीं देता है लेकिन हमारी चाह उसे पाने की रहती है। उसको प्राप्त करने की कोई विधि नहीं है, केवल एक ही विधि है - प्रेम! क्योंकि वह प्रेम का पूर्ण भंडार हैं। हम उस से प्रेम करें, तब ही उसकी कृपा बरसेगी। संस्थान के अध्यक्ष नृत्यगोपाल राम जी महाराज व हल्देश्वर मठ के महंत भीमगिरी जी महाराज के सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक एवं संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पृथ्वी सिंह रामदेरिया ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में संतों व अतिथियों द्वारा गुरु मंछाराम जी की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर स्कूल की लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया गया। संस्थान के प्रेम सिंह द्वारा विद्यालय की रूपरेखा बताते हुए विद्यालय के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। रावल त्रिभुवन सिंह बाड़मेर ने शिक्षा की उपयोगिता के बारे बताया व बालोतरा जिला बनने से सिवाना में शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित होने की बात कही। जसोल रावल किशनसिंह ने कहा कि शिक्षा सबका अधिकार है। सबको अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देनी चाहिए। डूंगरपुर के पूर्व राजपरिवार के हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि मारवाड़ क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि राज्यसभा सदस्य के रूप में उन्होंने अपनी सांसद निधि का अधिकांश भाग विद्यालय के भवन निर्माण, औषधालय निर्माण, शिक्षण सहायक सामग्री, पुस्तकालय व खेलकूद सामग्री के लिए ही खर्च किया था। जोधपुर के पूर्व नरेश गज सिंह ने बताया विद्यार्थी ही भारत का भविष्य है। आधुनिक तकनीकी की समुचित शिक्षा से ही अच्छे समाज का निर्माण संभव है। इस दृष्टि से सिवाणा में डिजिटल क्लास का निर्माण अच्छी पहल है। संस्थान अध्यक्ष गुरु महाराज नृत्यगोपल राम जी ने आर्थिक सहयोग देने वाले सहयोगियों को अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मान किया और विद्यालय को भूमि आंवटन में सहयोग करने वाले तत्कालीन सरपंच साथियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीप सिंह भाटी ने किया। कार्यक्रम के अंत मे सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में कानसिंह कोटड़ी, भवानी सिंह गुड़ा मालानी सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राणी भटियाणी मंदिर संस्थान जसोल के सौजन्य से पूरणसिंह बुड़ीवाड़ा के संकलन और कवि दीपसिंह भाटी रणधा डिंगल रसावल की ओर से संपादित काव्य पुस्तक 'मायड़ रा मुहंगा मोती' का विमोचन भी किया गया।

हमारी धारणा..

आज की चकाचौंध में असत्य को सत्य मानकर हम एक अंधी दौड़ में लगे हुए हैं और जो अंधी दौड़ में लगता है, वह कभी न कभी खड्डे में गिर जाता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ को साफ दिखाई दे रहा है कि हमारा समाज आज किस मार्ग पर बढ़ रहा है और हमारा समाज ही नहीं, बल्कि पूरा संसार इस पतन के मार्ग पर जा रहा है। पूरा संसार अनैतिकता को अपनाकर एक ऐसे गड्ढे की ओर जा रहा है जिसमें से निकलना असंभव है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ गांव-गांव, ढाणी-ढाणी, शहर-शहर, घर-घर में जाकर सब को आगाह करने का कार्य कर रहा है कि हम जिस मार्ग पर चलने को उत्सुक हो रहे हैं, वह मार्ग हमारे लिए अनुकूल नहीं हैं। हमारे लिए यह मार्ग प्रतिकूल है लेकिन यह प्रतिकूलता हमें समझ में नहीं आती, क्योंकि हम जिस वातावरण में रहते हैं, उसका हम पर नशा छा जाता है और नशे का जो आदी हो जाता है वह उस नशे को छोड़ना नहीं चाहता। संघ हमें उसी नशे से दूर करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज का युग तलवार का युग नहीं है। तलवार तो हमारी शक्ति की प्रतीक है, लेकिन आज के युग के अनुसार विचार ही हमारी तलवार है क्योंकि वर्तमान समय में विचार में ही शक्ति है। इसलिए हमें विचारवान बनना पड़ेगा लेकिन केवल विचार करके ही संतुष्ट नहीं होना है, केवल भाषण देकर ही नहीं रुक जाना है, बल्कि उन विचारों के अनुकूल अपना आचरण बनाकर जीवन जीना पड़ेगा। हम दूसरों को ही समझाने का प्रयास करते हैं, दूसरों को ही सुधारने का प्रयास करते हैं, लेकिन स्वयं की ओर हम नहीं देखते। पूज्य श्री तनसिंह जी ने कहा है कि यदि संसार को बनाना है, यदि संसार को मार्ग बताना है तो सबसे पहले स्वयं का निर्माण करना होगा। इसी के अनुरूप आज के युग में एक आदर्श क्षत्रिय को किस प्रकार का जीवन जीना चाहिए, वह पूज्य श्री तनसिंह जी ने कर दिखाया। हमें केवल उनका अनुकरण करना है। पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त मध्य गुजरात संभाग द्वारा गांधीनगर के सेक्टर 22 में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक धर्मेंद्र सिंह आंबली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जी का परिचय देते हुए बताया कि संसार में हर रोज लाखों लोग जन्म लेते हैं और मरते हैं पर जिन्होंने धर्म, इतिहास, संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया हो, उन्हीं महापुरुषों की युगों तक जयंतियां मनाई जाती है। हमारे समाज के ऐसे ही महापुरुष पूज्य श्री तनसिंह जी का जन्म शताब्दी वर्ष इस बार हम सभी जगह मना रहे हैं। इस निमित्त हर संभाग में 5 बड़े कार्यक्रम आयोजित करने हैं। उसी श्रृंखला में आज यह कार्यक्रम हो रहा है। उन्होंने कहा कि कलयुग में संगठन में ही शक्ति है, इसलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ घर-घर, नगर-नगर घूम कर समाज बंधुओं को जागृत करने का काम कर रहा है। इस कार्यक्रम के लिए भी गांधीनगर जिले के प्रत्येक उस गांव तक पहुंचने का प्रयास किया गया, जहां राजपूत निवास करते हैं। इंद्रसिंह पडुस्मा ने उपस्थित अतिथियों एवं समाजबंधुओं का शाब्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में श्री गांधीनगर जिला राजपूत समाज, श्री कच्छ कठियावाड़ राजपूत सेवा समाज, श्री गांधीनगर शहर राजपूत समाज आदि विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गांधीनगर सचिवालय में कार्यरत राजपूत अधिकारी उपस्थित रहे। गांधीनगर शहर, गांधीनगर ग्रामीण, अहमदाबाद शहर, साणंद, मेहसाणा और पाटण से समाजबंधु मातृशक्ति सहित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची, संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी, वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी आदि सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। अंत में सामूहिक स्नेहभोज भी रखा गया।

काणेटी पहुंचे संघप्रमुख श्री- गांधीनगर में कार्यक्रम के अगले दिन 1 मई को माननीय संघप्रमुख श्री काणेटी पहुंचे जहां केसुभा काणेटी के निवास पर जाकर उनकी माताश्री के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की। तत्पश्चात वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी के निवास पर जाकर उनके पिताजी के निधन पर संवेदना व्यक्त की। यहां स्वयंसेवकों के साथ अनौपचारिक चर्चा के पश्चात संघप्रमुख श्री साबरमती रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां संघ के स्वयंसेवक एवं अहमदाबाद डीसीपी (ट्रैफिक) बलदेव सिंह भैंसाणा ने उनसे भेंट की। यहां से संघप्रमुख श्री ने रेल द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

दीपेन्द्र सिंह साँवलोदा ने यूरोप में किया भारत का प्रतिनिधित्व

सीकर जिले के साँवलोदा गांव के निवासी दीपेन्द्र सिंह ने यूरोपीय देश जर्मनी के हनोवर में 5-6 मई को आयोजित 14वीं हनोवर अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में 50 मीटर .22 राइफल प्रोन में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए शीर्ष आठ खिलाड़ियों में स्थान बनाया। वे प्रतियोगिता में सातवें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में 50 मीटर राइफल की पुरुष स्पर्धा में भारत की तरफ से भाग लेने वाले इस बार वे अकेले खिलाड़ी थे। उन्होंने 4 मई को चेक रिपब्लिक के प्लेजन शहर में आयोजित 51 वीं ग्रैंड प्रिक्स ऑफ लिबरेशन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। दीपेन्द्र सिंह साँवलोदा श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की सीकर टीम के सदस्य है। वे निशानेबाजी के साथ नवोदित निशानेबाजों को प्रशिक्षण भी देते हैं एवं अब तक 150 से अधिक राज्य व राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाजों को प्रशिक्षित कर चुके हैं।

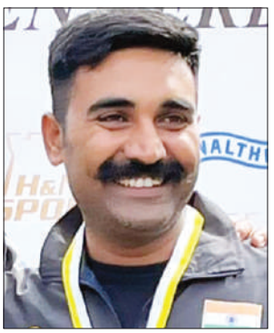

(पृष्ठ दो का शेष)

उत्साह से... समारोह को मदनसिंह राजमथाई, सिद्धार्थ सिंह पूगल, खीवसिह मेकेरी, राजेन्द्र सिंह नरुका, जुगल सिंह बेलासर आदि ने सम्बोधित किया। समारोह में मुकनसिंह डेली तलाई, कर्णप्रताप सिंह सिसोदिया, राजेन्द्र सिंह राजासर, सूरजभान सिंह, भंवर सिंह, सुरजीत, मनोहर सिंह सियासर, रामसिंह मोती गढ़, राजेंद्र सिंह सहित सर्वसमाज के अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्नेहभोज भी रखा गया। समारोह में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांतप्रमुख शक्ति सिंह आशापुरा ने सहयोगियों सहित उपस्थित रहकर कार्यक्रम के संचालन व व्यवस्था में सहयोग किया। महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में श्री राजस्थान युवा मंच के तत्वावधान में अहमदाबाद के मेघाणीनगर स्थित रामेश्वर मंदिर से शाहीबाग अंडरब्रिज के सर्किल पर स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक शोभायात्रा निकाली गई। यहां सभी ने अपने प्रेरणास्रोत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कृतज्ञता ज्ञापित की। भवानी सिंह शेखावत व गिरवर सिंह शेखावत ने साथियों के साथ मिलकर यह आयोजन किया। अहमदाबाद मेयर किरीट भाई परमार, अहमदाबाद भाजपा शहर अध्यक्ष व विधायक अमित शाह, विधायक दिनेशसिंह कुशवाह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित रहे ।

श्याम सिंह छापड़ा को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक श्याम सिंह छापड़ा के पिता **श्री खींव सिंह** का निधन 11 मई 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक-संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री खींव सिंह

बजरंग सिंह नैणिया को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक बजरंग सिंह नैणिया (परबतसर, नागौर) के पिता **श्री बल्लू सिंह** का देहावसान 25 अप्रैल 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री बल्लू सिंह

हुकम सिंह गनोड़ा को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हुकम सिंह गनोड़ा के पिता **श्री नवल सिंह** का देहावसान 9 अप्रैल 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री नवल सिंह

मेजर युद्धवीर सिंह, मेजर अभिषेक सिंह और मेजर आदित्य सिंह शौर्य चक्र से सम्मानित

मेजर युद्धवीर सिंह (मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री, 9वीं बटालियन, राष्ट्रीय राइफल्स) को 9 मई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में कैप्टन रहते हुए आतंकवाद विरोधी अभियान में अदम्य साहस, वीरता एवं असाधारण नेतृत्व क्षमता के प्रदर्शन के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। युद्धवीर सिंह बीकानेर के धूंपालिया के निवासी भारतीय सेना की पूर्वी कमान के कमांडर-इन-चीफ एवं असम राइफल्स के प्रमुख रहे लेफ्टिनेंट जनरल कुंवर चिमन सिंह (परम विशिष्ट सेवा मेडल) के दोहिते हैं। इनके अतिरिक्त अभिषेक सिंह (मैकेनाईज्ड इन्फेंट्री, 50वीं बटालियन, राष्ट्रीय राइफल्स) को भी रणक्षेत्र में अदम्य साहस व कौशल का परिचय देने के लिये राष्ट्रपति द्वारा शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। अभिषेक सिंह उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी शहर की शिव कॉलोनी के रहने वाले है ' वे वर्ष 2014 में संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करके चेन्नई में ट्रेनिंग कर लेफ्टिनेंट बने, फिर कैप्टन और मेजर पद पर प्रोन्नत हुए। पुलवामा हमले के बाद लगातार चल रहे ऑपरेशन के दौरान वर्ष 2022 में उन्होंने बड़गाम में दो आतंकियों को मार गिराया था तथा स्वयं भी ग्रेनेड हमले में घायल हो गए थे। उत्तरप्रदेश के ही आगरा जिले की बाह तहसील के कोरथ गांव के मूल निवासी एवं वर्तमान में फरीदाबाद में निवासरत मेजर आदित्य सिंह भदौरिया (कुमाऊं रेजीमेंट, 50 वीं बटालियन, राष्ट्रीय राइफल्स) को भी राष्ट्रपति द्वारा शौर्य चक्र प्रदान किया गया। 11 मार्च 2022 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में मिशन लीडर के रूप में मेजर आदित्य भदौरिया ने आतंकवादियों को घेरने के लिए असाधारण नेतृत्व और सामरिक कौशल का प्रदर्शन किया, जिसके कारण उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया।

संरक्षक श्री के सान्निध्य में बूठ (बाड़मेर) में स्नेहमिलन संपन्न

11 मई को श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक गणपत सिंह बूठ की पुत्री के विवाह के अवसर पर आशीर्वाद देने बाड़मेर जिले के बूठ गांव में पधारे माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में स्नेहमिलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संरक्षक श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ जो कार्य कर रहा है वह मुख्य और प्राथमिक है। वह यदि चलता रहेगा तो उसकी छांह तले बहुत कुछ पनपेगा, पुष्पित और फलित होगा, सभी को राहत मिलेगी। इसलिए 'चलता रहे मेरा संघ' इस भाव को लेकर कार्य करते रहें। बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया और कहा कि हमें जीवन का वास्तविक हेतु समझाने के उद्देश्य से पूज्य श्री तनसिंह जी ने यह मार्ग प्रदान किया है। इसी उद्देश्य को लेकर संघ पिछले 77 वर्षों से समाज में कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष की जानकारी देते हुए 2024 में दिल्ली में होने वाले मुख्य जयंती समारोह में पहुंचने का निमंत्रण दिया।

बान्धनवाडा युद्ध के नायक रावत महासिंह को दी श्रद्धांजलि

27 अप्रैल को सारंगदेवोत फाउंडेशन, गुमान ज्ञान संस्थान लक्ष्मणपुरा एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बान्धनवाडा युद्ध के नायक रावत महासिंह जी बावजी की 312वीं पुण्यतिथि पर जनार्दन राय नागर यूनिवर्सिटी, प्रताप नगर (उदयपुर) में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पूज्य तनसिंह जी द्वारा रचित प्रार्थना के साथ प्रारंभ कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने महासिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। कुलपति कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत (कच्छैर) ने कहा कि हमारे पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करना हम सभी का कर्तव्य है, इसलिए ऐसे अवसरों पर सभी को सहभागी बनना चाहिए। 1771 के बान्धनवाडा युद्ध में रावत महासिंह ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए मुगल सेनापति रणबाज खां को मार गिराया एवं स्वयं भी वीरगति को प्राप्त हुए। उनके बलिदान के कारण ही उन्हें लोक देवता के रूप में पूजा जाता है। राव मयूरध्वज सिंह बाठेडा ने महासिंह जी की वीरता के बारे में बताते हुए उनसे प्रेरणा लेकर जीवन जीने की बात कही। इतिहासकार जे. के. ओझा द्वारा महारावत महासिंह जी के इतिहास का वाचन किया गया, साथ ही केवल कुमार तलसानिया द्वारा महानायक महासिंह जी की वीरता पर काव्य रचना का पाठ किया गया। कार्यक्रम का संचालन दिग्विजय सिंह बाठेडा ने किया। देवेंद्र सिंह उदय सिंह जी की भागल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महारावत महासिंह जी की स्मृति में पोस्टर का विमोचन भी किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागप्रमुख भंवर सिंह बेमला भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन व क्षत्रिय रत्न अवार्ड समारोह 29-30 अप्रैल को जयपुर में संपन्न हुआ। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर ने बताया कि क्षत्रिय रत्न अवार्ड के लिए देशभर के विभिन्न हिस्सों से आए आवेदनों में से 27 आवेदनों को कमेटी द्वारा चयनित किया गया तथा पैरा ओलम्पिक, स्पोर्ट्स, शिक्षा, राजनीति, पत्रकारिता, सेना, समाज-सेवा इत्यादि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाजबंधुओं को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन में लगभग सभी प्रान्तों से महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखे। एस पी एस राघव (सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता), कुशलपाल सिंह (पूर्व विधायक), सरोज भदोरिया, गुलाब सिंह, रणवीर सिंह मेहन्दवास, गौरीशंकर सिंह सिकरवार, शक्ति सिंह राणावत कारोही, मतेन्दर सिंह सिसोदिया, ओमप्रकाश सिंह, डी एस सिंह, विजय सिंह चावड़ा, सलिल भदौरिया, उम्मेद सिंह शेखावत, रंजीत सिंह अन्नपूर्णा, कृपा शंकर सिंह, लछमन सिंह तंवर, योगेन्द्र सिंह गहलोत, मंगल सिंह परिहार, सुरेन्द्र सिंह राठौड़, भुवाल सिंह, दलबीर सिंह चौहान, शक्ति सिंह राजावत, उदयबीर सिंह पुंडीर, संजय सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति अधिवेशन में उपस्थित रहे।

केशव विद्यापीठ जयपुर में आयुर्वेद चिकित्सालय का उद्घाटन

जयपुर में केशव विद्यापीठ समिति की ओर से संचालित भगवान लाल रामलाल रावत इंडोस्विस चैरिटेबल हॉस्पिटल का उद्घाटन 9 मई को किया गया। कार्यक्रम केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, आरएसएस प्रचारक निंबाराम, माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं करौली की पूर्व महारानी व पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। वक्ताओं ने आयुर्वेद को भारत की मूल चिकित्सा पद्धति बताते हुए कहा कि आज आयुर्वेद की उपयोगिता को भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। हमें भी अपने स्वास्थ्य की उत्तमता को बनाए रखने के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना चाहिए। हॉस्पिटल संचालनकर्त्ता एवं आरोग्य आश्रम ट्रस्ट के ट्रस्टी वैद्य महादेव सिंह दांतली अन्य सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org